CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

ANSWER KEY

From previous CBSE Board Exam questions

Code: 85DE6D	Questions: 26	Maximum Marks: 74	Generated: 2026-06-15 13:05

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	टोपी शुक्ला
Year	2022-2026
Questions selected	26

Composition — Types: 21 Short · 2 Long · 2 fill_in_blank · 1 reading_comprehension

Q1. **[3]**

'भरे-पूरे परिवार में रहता हुआ भी व्यक्ति अकेला हो सकता है ।' 'हरिहर काका' और 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q13 (ख)

◆ हरिहर काका | टोपी शुक्ला | पारिवारिक उपेक्षा और एकाकीता

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:20 · grounding rag

Model Answer

हरिहर काका के संदर्भ में: हरिहर काका चार भाइयों के साथ एक बड़े परिवार में रहते थे, फिर भी वह पूर्णतः अकेले थे। बीमारी में कोई पानी देने वाला नहीं था। उनकी सेवा केवल तभी होती थी जब परिवार को उनकी जमीन की चाह होती थी। भरे-पूरे घर में उनका दर्द समझने वाला कोई नहीं था — वह मौन होकर आकाश निहारते रहे।

टोपी शुक्ला के संदर्भ में: टोपी का घर बड़ा था — माँ, दादी, भाई सभी थे — परंतु उसे घर में प्यार और सम्मान की जगह पिटाई और उपेक्षा मिलती थी। पाठ में स्पष्ट है: *"वह अपने भरे-पूरे घर ही की तरह अपने स्कूल में भी अकेला हो गया था।"* इफ़्फ़न की दादी ही उसकी एकमात्र भावनात्मक आश्रय थीं।

इस प्रकार दोनों कहानियाँ सिद्ध करती हैं कि परिवार की भौतिक उपस्थिति भावनात्मक अकेलेपन को नहीं मिटाती।

Explanation

- The examiner expects **one point per story** clearly linked to the statement.
- Use a **direct quote** from the text wherever possible — *"वह अपने भरे-पूरे घर ही की तरह..."* is the key line from टोपी शुक्ला.
- For हरिहर काका, cite the detail about no one giving him water when ill — it is the most concrete evidence.
- End with a **concluding sentence** tying both stories to the statement; examiners reward closure in 3-mark answers.
- Do **not** retell the whole plot; stick to evidence directly proving the given statement.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q2. **[3]**

'उम्र का फासला आत्मीय संबंधों में बाधा नहीं बनता ।' 'हरिहर काका' और 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/2/1 Q13 (ख)

◆ हरिहर काका | आत्मीय संबंधों में उम्र के फासले की अप्रासंगिकता | टोपी शुक्ला

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:20 · grounding rag

Model Answer

'उम्र का फासला आत्मीय संबंधों में बाधा नहीं बनता' — यह कथन दोनों कहानियों से सिद्ध होता है।

'हरिहर काका' में कथावाचक और हरिहर काका की उम्र में बड़ा अंतर है, फिर भी दोनों में गहरी दोस्ती है। काका उससे कुछ नहीं छिपाते और खुलकर बातें करते हैं।

'टोपी शुक्ला' में आठ वर्षीय टोपी और बहत्तर वर्षीया इफ़्फ़न की दादी के बीच अटूट आत्मीय संबंध बनता है। दोनों अपने घरों में अकेले और अजनबी थे — दोनों ने एक-दूसरे का अकेलापन मिटाया। दादी के न रहने पर टोपी के लिए वह भरा घर भी खाली हो गया।

इस प्रकार प्रेम और आत्मीयता उम्र नहीं, मन की समानता देखती है।

Source: हरिहर काका, प्रारंभिक अनुच्छेद; टोपी शुक्ला, खंड 2

Explanation

- The question asks you to use **both** stories — give roughly equal space to each.
- From *हरिहर काका*: the narrator-Harihar friendship across age gap is the key point (text explicitly says उनकी पहली दोस्ती और गहरी मित्रता).
- From *टोपी शुक्ला*: the 8-year-old Topi and 72-year-old Dadi bond is the clearest example; the text directly says "एक बहत्तर बरस की थी और दूसरा आठ साल का" and "दोनों ने एक-दूसरे का अकेलापन मिटा दिया।" Use this direct quote or paraphrase it.
- End with a one-line conclusion tying both examples to the theme statement.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q3. **[3]**

हरिहर काका के परिवार ने ठाकुरबारी से लौटने के बाद उन्हें 'बहुमूल्य वस्तु' जैसे सहेज कर रखा । यदि उनका परिवार पहले से ही उन्हें उचित प्यार-आदर देता तो स्थिति कैसी होती ? कहानी के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q13 (क)

◆ हरिहर काका | टोपी शुक्ला | परिवार का स्वार्थपूर्ण व्यवहार और प्रेम-आदर का अभाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 07:20 · grounding rag

Model Answer

यदि हरिहर काका का परिवार पहले से उन्हें सच्चा प्यार और आदर देता, तो स्थिति बिलकुल भिन्न होती:

- काका को भूखा नहीं रहना पड़ता और बीमारी में उनकी देखभाल होती।
- वे क्रोध में घर नहीं छोड़ते, इसलिए महंत उन्हें बहलाने का अवसर न पाता।
- ठाकुरबारी और परिवार, दोनों की जमीन हड़पने की साजिश नहीं होती।
- काका को न अपहरण का दंश झेलना पड़ता, न मार-पीट का।
- वे मौन और टूटे हुए व्यक्ति न बनते, बल्कि परिवार के बीच संतुष्ट जीवन बिताते।

संक्षेप में, सच्चे प्रेम ने काका को सभी शोषण और यातनाओं से बचा लिया होता।

Source: हरिहर काका, पाठ-1

Explanation

- The question is **hypothetical but text-based**. Examiners expect you to use events from the story to contrast what *could* have been different.
- Key story details to anchor your answer: being fed stale/leftover food, nobody attending to him during illness, the plate-throwing incident — these all triggered the chain of events.
- Organising as bullet points is fine for a 3-mark answer; it shows clarity. Alternatively, 2–3 tight sentences each worth a mark.
- Avoid vague statements like "everything would be fine." Be specific: *why* wouldn't the mahant get a chance? Because Harihar wouldn't have left home in anger.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q4. **[3]**

एक भरे-पूरे परिवार का सदस्य होने तथा घर के बड़ों द्वारा मना किए जाने के बाद भी टोपी इफ़्फ़न की हवेली की तरफ क्यों खींचा चला जाता था ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q11 (i)

◆ टोपी शुक्ला

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

टोपी का अपना भरा-पूरा परिवार उसे भावनात्मक रूप से कभी नहीं समझता था। घर में दादी, माँ और बड़े भाई हमेशा उसे डाँटते, पीटते और अपमानित करते थे। इफ़्फ़न की दादी उसकी अपनी दादी के विपरीत प्रेम और अपनेपन से बात करती थीं। उनकी पूरबी बोली टोपी को अपनी माँ जैसी लगती थी। वहाँ उसे 'अम्मी', 'अम्माँ' जैसे प्यार भरे शब्द सुनने को मिलते थे। इफ़्फ़न की दादी ने उसके अकेलेपन को दूर किया। इसीलिए घर के बड़ों के मना करने पर भी वह इफ़्फ़न की हवेली की ओर खिंचा चला जाता था।

Source: टोपी शुक्ला, प्रारंभिक परिचय (खंड 1 और 2)

Explanation

- Examiner looks for **two key reasons**: (1) घर में अकेलापन और उपेक्षा, (2) इफ़्फ़न की दादी का प्रेम और अपनापन।
- Quote or reference to the text strengthens the answer — e.g., पूरबी बोली, 'अम्मी' शब्द, दादी का स्नेह।
- Avoid writing in bullet points for this type of question; flowing sentences score better.
- The passage clearly states: *"दोनों अपने घरों में अजनबी और भरे घर में अकेले थे। दोनों ने एक-दूसरे का अकेलापन मिटा दिया था।"* — this is the core idea to convey.

Q5. **[3]**

“इफ़्फ़न के पिता के तबादले के बाद टोपी शुक्ला का अकेलापन और महंत और भाइयों के दुर्व्यवहार के कारण ‘हरिहर काका’ का मौन धारण वर्तमान समाज की ऐसी सच्चाई है, जिससे आज बहुत से लोग पीड़ित हैं ।” इस स्थिति से निकलने में आप ऐसे लोगों को क्या सुझाव देंगे ?

Previously asked in: 2022 4/4/1 Q3 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी शुक्ला का अकेलापन – इफ्फन के जाने के बाद | सामाजिक अकेलापन और उससे उबरने के उपाय – मूल्यपरक प्रश्न | हरिहर काका का मौन और पारिवारिक/सामाजिक उपेक्षा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

इफ़्फ़न के जाने से टोपी का और हरिहर काका का परिवार-महंत द्वारा अकेलापन वास्तव में आज की कड़वी सच्चाई है। ऐसे पीड़ित लोगों को मेरे सुझाव:

- **खुलकर बात करें** — अपनी पीड़ा किसी विश्वसनीय मित्र, शिक्षक या परामर्शदाता से साझा करें; मौन धारण करने से कष्ट बढ़ता है।
- **सामाजिक संगठनों की मदद लें** — वृद्ध एकाकी लोग हेल्पलाइन या वरिष्ठ नागरिक संगठनों से जुड़ें।
- **स्वाभिमान बनाए रखें** — दुर्व्यवहार सहते न रहें; आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता लें।
- **नई मित्रता बनाएँ** — जाति-धर्म की सीमाओं से परे सच्चे मित्र खोजें, जैसे टोपी और इफ़्फ़न ने की थी।
- **आत्मनिर्भर बनें** — अपने शौक, पठन-पाठन या समाज-सेवा में संलग्न रहें ताकि अकेलापन कम हो।

Explanation

यह प्रश्न मूल्य-आधारित (value-based) है। परीक्षक देखते हैं कि छात्र पाठ की परिस्थिति को वर्तमान समाज से जोड़ सका और व्यावहारिक, सोचे-समझे सुझाव दे सका। उत्तर में केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि ठोस उपाय अपेक्षित हैं। बिंदु शैली 3 अंक के लिए उपयुक्त है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[3]**

टोपी शुक्ला अपनी दादी को नापसंद क्यों करता था ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी का दादी के प्रति नापसंदगी के कारण

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

टोपी अपनी दादी सुभद्रादेवी को नापसंद करता था क्योंकि वे कठोर, रुढ़िवादी और टोपी के प्रति निर्दयी थीं। जब टोपी ने 'अम्मी' शब्द बोला तो दादी ने उसे डाँटा और मुस्लिम दोस्त इफ़्फ़न से मित्रता पर उसे परेशान किया। वे इफ़्फ़न के घर जाने पर भी आपत्ति करती थीं। इसके विपरीत इफ़्फ़न की दादी प्रेमपूर्ण, स्नेही और मधुर भाषा बोलने वाली थीं। टोपी ने स्वयं कहा — *"तोरी दादी की जगह हमरी दादी मर गई होतीं त ठीक भय होता।"* इससे स्पष्ट है कि अपनी दादी से उसे नफ़रत थी।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1-2

Explanation

- परीक्षक **तीन मुख्य बिंदु** ढूँढते हैं: (1) दादी का कठोर/रुढ़िवादी स्वभाव, (2) 'अम्मी' प्रसंग व इफ़्फ़न की मित्रता पर विरोध, (3) इफ़्फ़न की दादी से तुलना।
- पाठ की एक **direct quote** लिखने से पूरे अंक मिलते हैं।
- "नफ़रत थी, नफ़रत" — यह पाठ का ही शब्द है, इसे उत्तर में प्रयोग करना अच्छा प्रभाव डालता है।

Q7. **[3]**

इफ़्फ़न का अपनी दादी से विशेष लगाव होने के क्या कारण थे ? 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | इफ़्फ़न और उसकी दादी का विशेष लगाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

इफ़्फ़न को पूरे घर में केवल दादी से विशेष स्नेह था, जिसके निम्नलिखित कारण थे:

1. **कभी दिल न दुखाना** — अम्मी, बाजी और अब्बू कभी-कभी डाँट लिया करते थे, परंतु दादी ने कभी उसका दिल नहीं दुखाया।
1. **कहानियाँ सुनाना** — दादी रात को बहराम डाकू, अनार परी, हातिमताई जैसी रोचक कहानियाँ सुनाती थीं, जो इफ़्फ़न को बहुत प्रिय थीं।
1. **बचाव और अपनापन** — जब इफ़्फ़न का मन दुखता या कोई उसे छेड़ता, तो दादी प्यार से उसे अपने पास बुला लेती थीं।
1. **भाषा का प्रेम** — दादी की पूरबी बोली इफ़्फ़न को अच्छी लगती थी और उनकी सहज ममता उसे भाती थी।

Source: टोपी शुक्ला, प्रारंभिक खंड 2

Explanation

परीक्षक इस प्रश्न में चाहते हैं कि छात्र पाठ से **कम से कम 3-4 ठोस कारण** स्पष्ट रूप से लिखें। पाठ में सीधे लिखा है — "बस एक दादी थीं जिन्होंने कभी उसका दिल नहीं दुखाया" और कहानियाँ सुनाने का उल्लेख है। इन्हें बिंदुओं में लिखना 3 अंक के लिए उचित है। भाषा सरल और पाठ-आधारित रखें।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q8. **[3]**

'रिश्तों की बुनियाद प्रेम है ।' 'टोपी शुक्ला' पाठ से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q11 (II)

◆ टोपी शुक्ला | इफ़्फ़न की दादी और टोपी का भावनात्मक संबंध | जाति-धर्म से परे मानवीय प्रेम | रिश्तों की बुनियाद प्रेम – टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

'टोपी शुक्ला' पाठ में रिश्तों की नींव प्रेम को ही दर्शाया गया है, न कि जाति, मज़हब या उम्र को।

उदाहरण 1 — टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता: हिंदू टोपी और मुस्लिम इफ़्फ़न दो अलग मज़हबों के थे, फिर भी उनकी दोस्ती अटूट थी। लेखक कहता है — "टोपी के बिना इफ़्फ़न और इफ़्फ़न के बिना टोपी बेमानी हैं।"

उदाहरण 2 — टोपी और इफ़्फ़न की दादी का रिश्ता: आठ साल का हिंदू टोपी और बहत्तर साल की मुस्लिम दादी के बीच एक अनकहा, अटूट प्रेम था। दोनों अपने-अपने घरों में अकेले थे; एक ने दूसरे का अकेलापन दूर किया। दादी के देहांत पर टोपी को भरा घर खाली लगा।

इस प्रकार पाठ सिद्ध करता है कि सच्चा रिश्ता प्रेम से बनता है, धर्म या उम्र से नहीं।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1–2

Explanation

- परीक्षक दो स्पष्ट उदाहरण (टोपी-इफ़्फ़न मित्रता + टोपी-दादी संबंध) की अपेक्षा करते हैं।
- पाठ की पंक्तियों का सीधा उल्लेख करने से अंक मिलते हैं।
- निष्कर्ष में कथन को पुनः जोड़ें — यह CBSE की अपेक्षा है।
- 3-mark उत्तर में 60–90 शब्द पर्याप्त हैं; अनावश्यक विस्तार से बचें।

Q9. **[3]**

'टोपी शुक्ला' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि क्या किसी मित्रता की कसौटी मजहब, पद-प्रतिष्ठा आदि हो सकती है । मित्रता की कौन-कौन सी कसौटियाँ हो सकती हैं ?

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q11 (I)

◆ टोपी शुक्ला | मित्रता और सामाजिक कसौटियाँ (मजहब, पद-प्रतिष्ठा) | सच्ची मित्रता के मूल्य और आधार | हिंदू-मुस्लिम मित्रता एवं सांप्रदायिक सद्भाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:14 · grounding rag

Model Answer

नहीं, मित्रता की कसौटी मजहब, जाति, पद-प्रतिष्ठा नहीं हो सकती। टोपी (हिंदू) और इफ़्फ़न (मुस्लिम) अलग-अलग मजहब के थे, फिर भी उनकी दोस्ती अटूट थी। इसी तरह टोपी और इफ़्फ़न की दादी का रिश्ता — एक आठ साल का बच्चा और एक बहत्तर साल की बुज़ुर्ग — किसी सामाजिक बंधन को नहीं मानता था।

मित्रता की असली कसौटियाँ हैं:

- **भावनात्मक समझ** — एक-दूसरे के दुख-दर्द को महसूस करना।
- **निःस्वार्थ प्रेम** — बिना किसी स्वार्थ के साथ देना।
- **विश्वास और ईमानदारी** — जैसे टोपी ने इफ़्फ़न के अलावा किसी को उसकी बात नहीं बताई।
- **अकेलेपन को दूर करना** — दोनों अपने-अपने घरों में अजनबी थे, एक-दूसरे ने अकेलापन मिटाया।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1–2

Explanation

परीक्षक इस प्रश्न में दो बातें देखते हैं: (1) पाठ के आधार पर यह सिद्ध करना कि मजहब/पद-प्रतिष्ठा मित्रता की कसौटी नहीं है — टोपी-इफ़्फ़न और टोपी-दादी के उदाहरण देना जरूरी है। (2) मित्रता की सकारात्मक कसौटियाँ बताना। 3 अंक के लिए 2-3 उदाहरण/कसौटियाँ पर्याप्त हैं — विस्तार की जरूरत नहीं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q10. **[3]**

आपका घनिष्ठ मित्र दूसरे मजहब का है, आपके घर में उसका स्वागत किस प्रकार होता है? विस्तार से लिखिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q11 (iii)

◆ टोपी शुक्ला | अंतर-धार्मिक मित्रता — टोपी और इफ्फन | सांप्रदायिक सद्भाव और धार्मिक भेदभाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

उपन्यास 'टोपी शुक्ला' में टोपी का घनिष्ठ मित्र इफ़्फ़न मुसलमान था। जब टोपी ने खाने की मेज़ पर 'अम्मी' शब्द कहा, तो उसकी दादी सुभद्रादेवी भड़क गईं और माँ रामदुलारी ने उसे खूब मारा। मुन्नी बाबू और भैरो ने तमाशा देखा। टोपी के घर में इफ़्फ़न के घर जाने पर भी आपत्ति थी। घर वाले मुसलमान दोस्त को अच्छा नहीं समझते थे। परंतु टोपी ने किसी की परवाह न करते हुए इफ़्फ़न से दोस्ती बनाए रखी, क्योंकि सच्ची मित्रता मज़हब नहीं देखती।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1-2

Explanation

- The question asks how the close friend of another religion is welcomed **at your home** — but since this is a textbook-based extract question, the expected answer is grounded in the chapter's events (how Topi's family reacted to Iffan).
- Examiners look for: the 'Ammi' incident, the family's hostile reaction, beating by mother, grandmother's anger, and Topi's steadfastness.
- The key theme to highlight: communal prejudice at home vs. genuine childhood friendship.
- Do **not** write a general/personal essay — always anchor to the chapter.

Q11. **[3]**

'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी के एक ही कक्षा में दो बार फेल होने के जो कारण दिए हुए हैं क्या आप उनसे सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। यदि आप उसकी जगह होते तो क्या करते ?

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q11 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी का एक ही कक्षा में दो बार फेल होना | टोपी का चरित्र-चित्रण | पारिवारिक और सामाजिक उपेक्षा का टोपी पर प्रभाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

हाँ, मैं टोपी के फेल होने के कारणों से सहमत हूँ। पहली बार वह इसलिए फेल हुआ क्योंकि घर में पढ़ने का माहौल नहीं था — मुन्नी बाबू उससे काम करवाते, रामदुलारी कुछ मँगवा देतीं और भैरो उसकी कापियों के हवाई जहाज़ उड़ा देता था। दूसरी बार उसे टाइफाइड हो गया और फिर घर में चुनाव का शोर मच गया। ये परिस्थितियाँ उसके नियंत्रण से बाहर थीं।

यदि मैं उसकी जगह होता, तो शिक्षकों या किसी विश्वसनीय बड़े से मदद माँगता। घर के बाहर पुस्तकालय में पढ़ता और छोटी-छोटी बाधाओं के बावजूद पढ़ाई को प्राथमिकता देता।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 3

Explanation

- परीक्षक दो अलग बिंदु चाहते हैं: (1) कारणों से सहमति/असहमति + तर्क, (2) वैकल्पिक कदम।
- पाठ से सीधे प्रमाण दें (मुन्नी बाबू, भैरो, टाइफाइड, चुनाव)।
- 3 अंक के लिए ~70-80 शब्द पर्याप्त हैं; विस्तार न करें।
- "यदि मैं होता" वाला भाग व्यक्तिगत और व्यावहारिक होना चाहिए।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[3]**

'टोपी शुक्ला' कहानी में एक छोटे बच्चे द्वारा 'अम्मी' कहे जाने पर टोपी के घरवालों की प्रतिक्रिया पर आपके क्या विचार हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q11 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी के घरवालों की सांप्रदायिक मानसिकता और 'अम्मी' शब्द पर प्रतिक्रिया | बाल मित्रता और सामाजिक-धार्मिक भेदभाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

जब टोपी ने खाने की मेज़ पर अपनी माँ को "अम्मी" कहकर बुलाया, तो घर के सभी लोगों के हाथ रुक गए और सबकी आँखें उस पर जम गईं। दादी सुभद्रादेवी ने क्रोध से पूछा कि यह शब्द उसने कहाँ सीखा। माँ रामदुलारी ने उसे खूब मारा और मुन्नी बाबू ने झूठा आरोप भी लगाया।

मेरे विचार में घरवालों की यह प्रतिक्रिया संकीर्ण मानसिकता और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह को दर्शाती है। एक छोटे बच्चे के लिए "अम्मी" केवल एक प्यार भरा शब्द था, परंतु परिवार ने उसे धार्मिक सीमा उल्लंघन समझा। भाषा और रिश्ते धर्म से ऊपर होते हैं — यह बात टोपी समझता था, पर उसके घरवाले नहीं।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 2

Explanation

- Examiner expects: (1) घटना का संक्षिप्त वर्णन, (2) अपना तर्कपूर्ण मत।
- "तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए" का अर्थ है — केवल घटना न लिखें, अपनी राय और कारण भी दें।
- Key phrase to use: संकीर्ण मानसिकता / सांप्रदायिक सोच।
- Do NOT just retell the story — add your viewpoint with reasoning, as the question demands.

Q13. **[3]**

'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी के लगातार दो बार फ़ेल हो जाने के जो कारण दिए गए हैं, क्या आप उनसे सहमत हैं ? सहमति या असहमति दोनों स्थितियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q11 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी का लगातार दो बार फेल होना – कारण और विश्लेषण | पारिवारिक और सामाजिक उपेक्षा का टोपी की पढ़ाई पर प्रभाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

मैं पाठ में दिए गए टोपी के फेल होने के कारणों से **सहमत** हूँ।

पहली बार फेल होने के कारण: टोपी पढ़ने में तेज़ था, परन्तु घर में उसे पढ़ने नहीं दिया जाता था। मुन्नी बाबू उससे काम करवाते, रामदुलारी ऐसी चीज़ें मँगवाती जो नौकरों से नहीं मँगवाई जा सकती थीं। इसके अलावा भैरो ने उसकी कापियों के हवाई जहाज़ उड़ा दिए।

दूसरी बार फेल होने के कारण: पहले टाइफ़ाइड हुआ, फिर पिता के चुनाव लड़ने के कारण घर का माहौल पढ़ाई के अनुकूल नहीं रहा।

ये दोनों कारण उचित हैं। टोपी की असफलता उसकी मेधा की कमी नहीं, बल्कि परिवार की उपेक्षा और प्रतिकूल परिस्थितियों का परिणाम थी।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 3

Explanation

- परीक्षक चाहते हैं कि आप **पाठ के आधार पर** कारण स्पष्ट करें और अपना **तर्कसंगत मत** दें।
- "सहमति या असहमति दोनों स्थितियों में" का अर्थ है — आप कोई भी पक्ष चुन सकते हैं, लेकिन **कारण पाठ से सिद्ध** करने होंगे।
- सहमति का उत्तर आसान है क्योंकि पाठ में स्पष्ट प्रमाण हैं।
- 3 अंक के लिए दोनों बार के कारण अलग-अलग लिखें और एक-दो वाक्य में अपना मत दें।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q14. **[3]**

'टोपी शुक्ला' कहानी में टोपी के मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनकर उसकी दादी और माँ की जो प्रतिक्रिया थी, उस विषय में अपने तर्कपूर्ण विचार व्यक्त कीजिए।

Previously asked in: 2026 4/2/1 Q11 (ii)

◆ टोपी शुक्ला | 'अम्मी' शब्द पर दादी और माँ की प्रतिक्रिया | टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता | सांप्रदायिक पूर्वाग्रह और पारिवारिक संकीर्णता

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

टोपी के मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनते ही खाने की मेज़ पर सन्नाटा छा गया। दादी सुभद्रादेवी ने गरजकर पूछा कि यह शब्द कहाँ से सीखा, और माँ रामदुलारी ने टोपी की पिटाई की। दोनों की यह प्रतिक्रिया संकीर्ण सांप्रदायिक सोच और धार्मिक पूर्वाग्रह को दर्शाती है। वे एक निर्दोष शब्द को मुस्लिम संस्कृति का 'आक्रमण' समझ बैठीं। जबकि 'अम्मी' और 'अम्माँ' दोनों का अर्थ एक ही है — माँ। टोपी ने यह शब्द इफ़्फ़न की दादी से स्नेह के कारण सीखा था, कोई बुरे इरादे से नहीं। यह प्रतिक्रिया बताती है कि बड़े लोग भाषा और धर्म की दीवारें खड़ी करते हैं, जबकि बच्चे स्वाभाविक रूप से प्रेम और मित्रता में भेद नहीं करते।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 2

Explanation

- Examiners expect: (1) दोनों की प्रतिक्रिया का उल्लेख, (2) उस पर तर्कपूर्ण/आलोचनात्मक विचार।
- Key point: 'अम्मी' और 'माँ/अम्माँ' का अर्थ एक ही है — यह तर्क ज़रूर लिखें।
- दिखाएं कि यह प्रतिक्रिया धार्मिक कट्टरता की है, बच्चों की मासूमियत और बड़ों की संकीर्णता का contrast स्पष्ट करें।
- 3 अंक के लिए 3 मज़बूत बिंदु काफ़ी हैं — बहुत लंबा न लिखें।

Q15. **[3]**

आपका घनिष्ठ मित्र दूसरे मज़हब का है, आपके घर पर उसका आदर-सत्कार किस प्रकार होता है ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के संदर्भ में विस्तार से उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2022 4/1/1 Q3 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | अंतरधार्मिक मित्रता और सामाजिक व्यवहार | टोपी और इफ्फन की मित्रता | सांप्रदायिक सद्भाव और पारिवारिक दृष्टिकोण

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी का घनिष्ठ मित्र इफ़्फ़न मुसलमान था। जब टोपी ने घर पर माँ को "अम्मी" कहकर बुलाया — जो उसने इफ़्फ़न के घर से सीखा था — तो घर में तूफ़ान आ गया। दादी सुभद्रादेवी खाने की मेज़ से उठ गईं, रामदुलारी ने टोपी की पिटाई की और मुन्नी बाबू ने यह भी झूठा आरोप लगा दिया कि टोपी ने रहीम कबाबची की दुकान पर कबाब खाए। पूरे घर में इफ़्फ़न से दोस्ती को गलत माना गया।

इफ़्फ़न की दादी ने ज़रूर टोपी को स्नेह दिया, परंतु टोपी के अपने घर में एक अलग मज़हब के मित्र का कोई आदर-सत्कार नहीं हुआ — बल्कि उपेक्षा और विरोध ही मिला।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1–2

Explanation

- प्रश्न व्यक्तिगत अनुभव और पाठ के संदर्भ दोनों माँगता है। CBSE में ऐसे प्रश्नों में **पाठ का साक्ष्य देना अनिवार्य** है।
- परीक्षक देखता है कि छात्र ने "अम्मी" वाला प्रसंग, रामदुलारी की मार, दादी की प्रतिक्रिया — ये ठोस घटनाएँ उद्धृत कीं या नहीं।
- अंत में एक पंक्ति में निष्कर्ष देना अच्छा रहता है — यहाँ यह बताया गया कि घर में सत्कार नहीं बल्कि विरोध हुआ।
- 3 अंक के लिए ~70–80 शब्द पर्याप्त हैं; अधिक लंबा उत्तर लिखने की आवश्यकता नहीं।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q16. **[3]**

'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर लिखिए कि कहानी का प्रमुख पात्र टोपी अपने बड़े भाई मुन्नी बाबू से क्यों चिढ़ता था । टोपी के साथ मुन्नी बाबू द्वारा किए गए व्यवहार को आप कितना उचित मानते हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी और मुन्नी बाबू का संबंध एवं व्यवहार | पारिवारिक भेदभाव और बालमनोविज्ञान

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

टोपी अपने बड़े भाई मुन्नी बाबू से निम्नलिखित कारणों से चिढ़ता था:

1. **उतरन देना:** जाड़ों में मुन्नी बाबू का उतारा हुआ कोट टोपी को दिया गया, जो अपमानजनक था।
2. **पढ़ने न देना:** जब टोपी पढ़ने बैठता, मुन्नी बाबू जानबूझकर उसे काम में लगा देते थे।
3. **झूठा आरोप:** मुन्नी बाबू ने झूठ बोला कि टोपी ने कबाब खाए, जबकि कबाब खाने वाले स्वयं मुन्नी बाबू थे — और टोपी ने उनकी पोल नहीं खोली।
4. **कुटाई का तमाशा:** मुन्नी बाबू टोपी की पिटाई का तमाशा देखते रहे, कभी सहायता नहीं की।

मूल्यांकन: मुन्नी बाबू का व्यवहार कतई उचित नहीं था। एक बड़े भाई का कर्तव्य है कि वह छोटे भाई की रक्षा करे, न कि उसे पिटवाए। उनका झूठ बोलना और शोषण करना नैतिक रूप से निंदनीय है।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 3

Explanation

- परीक्षा में इस प्रश्न के दो भाग हैं: (i) चिढ़ने के कारण और (ii) मुन्नी बाबू के व्यवहार पर अपना तर्कपूर्ण मत।
- "तर्क सहित" लिखने का अर्थ है — केवल 'उचित नहीं' कहना पर्याप्त नहीं, कारण भी देना आवश्यक है।
- घटनाओं को पाठ से जोड़कर लिखें; काल्पनिक बातें न जोड़ें।
- 3 अंकों के लिए 2-3 कारण + 1-2 पंक्तियों का मत पर्याप्त है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q17. **[3]**

'टोपी शुक्ला' पाठ के नायक टोपी शुक्ला की परेशानियों को देखते हुए आप शिक्षा-व्यवस्था में किस तरह के सुधार लाना चाहेंगे ?

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी शुक्ला की परेशानियाँ और शिक्षा-व्यवस्था में सुधार | सामाजिक-पारिवारिक दबाव और बच्चे की मनोदशा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर शिक्षा-व्यवस्था में सुझाए जाने वाले सुधार:

1. **भावात्मक सहयोग:** शिक्षकों को संवेदनशील होना चाहिए — बार-बार फेल होने वाले छात्र को उदाहरण बनाकर कक्षा में अपमानित नहीं करना चाहिए।
1. **व्यक्तिगत ध्यान:** प्रतिभावान होने के बावजूद घरेलू परिस्थितियाँ यदि पढ़ाई में बाधक हों, तो विद्यालय को विशेष परामर्श (counselling) की व्यवस्था करनी चाहिए।
1. **सहपाठियों के प्रति संवेदना:** छात्रों को सिखाया जाए कि दोबारा उसी कक्षा में बैठे सहपाठी का उपहास न करें।
1. **समग्र मूल्यांकन:** केवल परीक्षा-परिणाम नहीं, बच्चे की मानसिक स्थिति और घरेलू समस्याओं को भी ध्यान में रखकर मूल्यांकन होना चाहिए।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 3

Explanation

- The question is directly from **बोध-प्रश्न 10(ग)** — examiners expect practical, text-based suggestions, not general essays.
- Key points to draw from the text: टोपी को मास्टर ने कक्षा में उदाहरण बनाकर शर्मिंदा किया; वह घर में पढ़ नहीं पाता था; वह प्रतिभावान था फिर भी फेल हुआ।
- 3 marks = 3-4 crisp points; use subheadings or a numbered list for clarity — examiners reward structured answers.
- Avoid padding; every point must connect directly to टोपी की परेशानियाँ।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q18. **[3]**

'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर लिखिए कि टोपी शुक्ला के बार-बार फेल होने के पीछे क्या कारण रहे होंगे । शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन लाने के लिए अपने सुझाव भी दीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | टोपी का बार-बार फेल होना – कारण और विश्लेषण | शिक्षा व्यवस्था की समस्याएँ और सुधार के सुझाव

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

टोपी के बार-बार फेल होने के कारण:

टोपी एक तेज़ लड़का था, फिर भी वह नवीं में दो बार फेल हुआ। इसके प्रमुख कारण थे:

- घर में **मुन्नी बाबू और रामदुलारी** उसे पढ़ने नहीं देते थे; भैरो उसकी कापियों के हवाई जहाज़ उड़ा देता था।
- दूसरे साल उसे **टाइफ़ाइड** हो गया।
- तीसरे साल घर में **चुनाव का माहौल** था, जिससे पढ़ाई असंभव हो गई।
- भावात्मक अकेलापन और कक्षा में अपमान से वह **मानसिक रूप से टूटा** हुआ था।

शिक्षा व्यवस्था में सुझाव:

- परीक्षा में केवल एक बार फेल करने की बजाय **काउंसलिंग** की व्यवस्था हो।
- शिक्षकों को बार-बार फेल छात्रों को **उदाहरण बनाकर अपमानित** नहीं करना चाहिए।
- छात्र की **पारिवारिक परिस्थितियों** को ध्यान में रखकर मूल्यांकन हो।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 3

Explanation

- परीक्षक तीन बिंदु देखते हैं: (1) पाठ-आधारित कारण, (2) सुझाव, (3) भाषा की स्पष्टता।
- कारण सीधे पाठ से लेने चाहिए — "गावदी नहीं था परंतु पढ़ने नहीं देते थे" यह पंक्ति बहुत महत्वपूर्ण है।
- सुझाव अपने विचार हैं, पर पाठ की भावना (भावात्मक चुनौती) से जुड़े होने चाहिए।
- 3 अंक के लिए कारण + सुझाव दोनों ज़रूरी हैं; किसी एक को छोड़ा तो अंक कटेंगे।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q19. **[3]**

'टोपी शुक्ला का दोस्त इफ्फन था लेकिन उसकी घनिष्ठ दोस्ती इफ्फन की दादी से भी थी ।' इस कथन को 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q13 (ग)

◆ टोपी शुक्ला | इफ्फन की दादी और टोपी का संबंध | टोपी और इफ्फन की दोस्ती | सांप्रदायिक सद्भाव और मानवीय रिश्ते

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

टोपी शुक्ला और इफ्फन के बीच गहरी मित्रता थी, किंतु टोपी की घनिष्ठता इफ्फन की दादी से भी उतनी ही थी। इसके कारण निम्नलिखित हैं:

- इफ्फन की दादी पूरबी बोली बोलती थीं, जो टोपी को अपनी माँ जैसी लगती थी।
- टोपी अपनी दादी से नफ़रत करता था, जबकि इफ्फन की दादी उसे प्यार से बुलाती और इफ्फन की अम्मी व बाजी से उसकी रक्षा करती थीं।
- दोनों अपने-अपने घरों में अकेले और अजनबी थे — दादी ससुराल में और टोपी अपने परिवार में। इस अकेलेपन ने दोनों को जोड़ा।
- दादी के देहांत पर इफ्फन का घर भरा होने पर भी टोपी को वह खाली लगा।

यह संबंध धर्म और जाति से परे, एक अटूट भावनात्मक बंधन था।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 2 (प्रारंभिक परिचय)

Explanation

- परीक्षक यहाँ दो चीज़ें देखते हैं: (1) दोनों के बीच दोस्ती के ठोस कारण और (2) उस रिश्ते की विशेषता (धर्म-जाति से परे)।
- "अम्मी" शब्द वाला प्रसंग और दादी की मृत्यु पर टोपी का रोना — ये दो उदाहरण जरूर लिखें।
- 3-अंकीय प्रश्न में 3-4 पॉइंट या दो छोटे पैराग्राफ काफी हैं; लंबा निबंध न लिखें।

Q20. **[3]**

अपनी माँ से लगाव और उनकी परवाह होने के बावजूद उनके द्वारा मना किए जाने पर भी टोपी ने इफ़्फ़न के घर जाना बंद क्यों नहीं किया ? 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q11 (ii)

◆ टोपी शुक्ला | इफ़्फ़न की दादी और टोपी को मिला भावनात्मक सहारा | टोपी और इफ़्फ़न की दोस्ती | माँ और टोपी का संबंध तथा पारिवारिक बाधाएँ

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

टोपी अपने घर में अकेला और उपेक्षित था। उसकी माँ रामदुलारी, दादी और भाई — सब उसे डाँटते-मारते थे। इफ़्फ़न की दादी उसे अपनेपन और प्रेम से मिलती थीं। उनकी पूरबी भाषा टोपी को अपनी माँ जैसी लगती थी। वे दोनों भरे घर में अकेले थे — एक ने दूसरे की प्यास और अकेलापन मिटाया था। इफ़्फ़न का घर टोपी को वह भावनात्मक आश्रय देता था जो अपने घर में नहीं मिलता था। इसीलिए माँ के मना करने पर भी वह इफ़्फ़न के घर जाना नहीं छोड़ सका।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 2 (प्रारंभिक परिचय)

Explanation

- Examiner expects **three reasons** in 3-mark answer: (1) घर में अकेलापन/उपेक्षा, (2) इफ़्फ़न की दादी का स्नेह और अपनापन, (3) भावनात्मक सहारा।
- Key textual evidence: *"दोनों अपने घरों में अजनबी और भरे घर में अकेले थे। दोनों ने एक-दूसरे का अकेलापन मिटा दिया था।"*
- Do **not** only write "दोस्ती थी" — explain *why* that friendship was irreplaceable.
- Mention the dadi's language/warmth as a specific detail — it shows you've read the text carefully.

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q21. **[3]**

'जिनसे अपनापन मिले, अपने वे ही होते हैं फिर चाहे वे अलग परिवार, जाति, धर्म के ही क्यों न हों ।' – 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q11 (i)

◆ टोपी शुक्ला | अपनापन और सच्चे रिश्तों की अवधारणा | इफ़्फ़न की दादी और टोपी का संबंध | जाति, धर्म और परिवार से परे मित्रता | टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:12 · grounding rag

Model Answer

'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी (हिंदू) और इफ़्फ़न (मुस्लिम) की गहरी दोस्ती तथा टोपी और इफ़्फ़न की दादी का अटूट रिश्ता इस कथन को पूरी तरह सिद्ध करता है। दोनों अलग धर्म और परिवार के थे, फिर भी दोनों में सच्चा अपनापन था। टोपी को अपनी दादी से नफ़रत थी, पर इफ़्फ़न की दादी की पूरबी बोली और स्नेह उसे माँ जैसा लगता था। दादी के मरने के बाद भरा घर भी टोपी को खाली लगा। लेखक के शब्दों में — *"दोनों अपने घरों में अजनबी और भरे घर में अकेले थे। दोनों ने एक-दूसरे का अकेलापन मिटा दिया था।"* सच्चा अपनापन जाति-धर्म नहीं, भावनात्मक जुड़ाव देखता है।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 1-2

Explanation

- परीक्षक इस प्रश्न में **पाठ के प्रमाण** और **व्यक्तिगत विचार** दोनों चाहते हैं।
- टोपी-इफ़्फ़न की दोस्ती और टोपी-दादी का रिश्ता — दोनों उदाहरण देना ज़रूरी है।
- पाठ से **सीधा उद्धरण** देने पर अतिरिक्त प्रभाव पड़ता है।
- उत्तर को नारेबाज़ी ("हिंदू-मुस्लिम भाई-भाई") से बचाएँ — लेखक स्वयं ऐसा नहीं चाहते; ठोस घटनाओं पर ध्यान दें।

Q22. **[3]**

'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती।' अपने आसपास से कोई उदाहरण देकर इस तथ्य की पुष्टि कीजिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q11 (ii)

◆ टोपी शुक्ला | 8.4.3 भाईचारे का संबंध

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:13 · grounding rag

Model Answer

'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती' — इस तथ्य की पुष्टि टोपी और इफ्फन की दादी के संबंध से होती है। टोपी हिंदी बोलता था और इफ्फन की दादी पूरबी बोलती थीं, फिर भी दोनों के बीच गहरा स्नेह था। दादी उसे प्यार से 'अम्माँ' जैसे शब्द सिखाती थीं और कहानियाँ सुनाती थीं। भाषा भिन्न होने पर भी दोनों के बीच अटूट भावनात्मक रिश्ता बना।

आज के जीवन में भी यही देखा जाता है — जैसे किसी बाज़ार में एक तमिल दुकानदार और हिंदी भाषी ग्राहक इशारों और मिश्रित भाषा में सहजता से व्यवहार कर लेते हैं, क्योंकि आपसी संवाद की इच्छा ही असली भाषा होती है।

Source: टोपी शुक्ला, खंड 2

Explanation

- यह 3-अंकीय प्रश्न है, इसलिए पाठ से एक उदाहरण + अपने आसपास का एक उदाहरण — दोनों देना ज़रूरी है।
- परीक्षक यह देखते हैं कि छात्र ने पाठ का उचित संदर्भ लिया है और अपना उदाहरण वास्तविक जीवन से जोड़ा है।
- 'अपने आसपास से उदाहरण' माँगा गया है, इसलिए बाज़ार/यात्रा/पड़ोस जैसा कोई व्यावहारिक उदाहरण अवश्य लिखें।
- भाषा-बाधा का न होना = भावनात्मक जुड़ाव — यही मुख्य विचार है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q23. **[1]**

भाई साहब के सूक्ति-बाणों से मेरी तो _____ ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q6 (II)

◆ व्याकरण (Grammar) | बड़े भाई साहब | सामाजिक-पारिवारिक दबाव और बच्चे की मनोदशा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:23 · grounding rag

Model Answer

भाई साहब के सूक्ति-बाणों से मेरी तो **जान जलती थी**।

Explanation

यह रिक्त स्थान मुंशी प्रेमचंद की कहानी **"बड़े भाई साहब"** से है। छोटे भाई को भाई साहब की नसीहतें और उपदेश (सूक्ति-बाण) बहुत कष्टदायक लगते थे, इसलिए वह कहता है कि उसकी 'जान जलती थी'। परीक्षा में सटीक शब्द लिखना आवश्यक है।

Q24. **[1]**

भाई साहब का रौद्र रूप देखकर तो मेरे _____ जाते ।

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q6 (II)

◆ व्याकरण (Grammar) | क्रिया पदबंध – पहचान और चयन | बड़े भाई साहब | सामाजिक-पारिवारिक दबाव और बच्चे की मनोदशा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:22 · grounding rag

Model Answer

भाई साहब का रौद्र रूप देखकर तो मेरे **प्राण सूख** जाते।

Explanation

यह रिक्त स्थान प्रेमचंद की कहानी **'बड़े भाई साहब'** से है। मुहावरे के अनुसार सही शब्द **'प्राण सूख'** है, जिसका अर्थ है — बहुत डर जाना। छोटे भाई को भाई साहब का गुस्सैल रूप देखकर भय लगता था।

Q25. **[1]**

'बड़े भाई साहब' पाठ के संदर्भ में 'दिमाग होना' और 'दिमाग चकराना' – इन दोनों मुहावरों में अंतर स्पष्ट करके लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q6 (iv)

◆ व्याकरण (Grammar) | बड़े भाई साहब | मुहावरों का वाक्य में उचित प्रयोग | सामाजिक-पारिवारिक दबाव और बच्चे की मनोदशा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 10:18 · grounding rag

Model Answer

'दिमाग होना' का अर्थ है घमंड या अहंकार करना, जबकि 'दिमाग चकराना' का अर्थ है बहुत कठिन विषय पढ़कर मस्तिष्क का भ्रमित हो जाना।

Explanation

- इस प्रश्न का उत्तर 'बड़े भाई साहब' पाठ की विषय-वस्तु पर आधारित है।
- भाई साहब छोटे भाई को समझाते हैं कि परीक्षा में एक बार पास हो जाने से 'दिमाग नहीं होना चाहिए' (घमंड नहीं करना चाहिए), वहीं कठिन पाठ्यक्रम पढ़ते-पढ़ते उनका खुद का 'दिमाग चकरा जाता है' (सिर घूमने लगता है)।
- परीक्षा में दोनों मुहावरों का अर्थ-भेद स्पष्ट करना अपेक्षित है।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q26. **[5]**

> संबंधों के मामले में सलाह देने वाले पेशेवरों का भी यह मानना रहा है कि कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जिनको आप जरा-से यत्न से रखें और समुचित मान-सम्मान दें तो हमारी खुशी का कारण बन सकते हैं । अपने निकट के रिश्तों या आत्मीय रिश्तों में सहयोग और सम्मान का भाव संबंधों को न सिर्फ प्रगाढ़ बनाता है, बल्कि दुख-सुख में एक सुंदर सहयोग का तंत्र भी बन सकता है । इनका साथ मन को आंतरिक संतोष और शांति भी देता है । इसलिए समय-समय पर किसी त्योहार के बहाने या जन्मदिन के समारोह के बहाने इनसे मेलजोल बनाए रखना चाहिए और आने वाले रिश्तेदारों को समुचित सम्मान देना चाहिए । जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में परिवार, रिश्तेदार ही तो हमारी सबसे बड़ी ताकत होते हैं जो परेशानियों में हमारी हिम्मत बढ़ाते हैं । मुसीबतों में हमारा समर्थन करते हैं और खुशियों को सौ गुना बढ़ा देते हैं । अकेले रहने वाला इंसान हमेशा चिंताग्रस्त रहता है । उसके पास अपनी समस्याओं को साझा करने के लिए, उन्हें सँभालने के लिए कोई अपना नहीं होता । रिश्तेदारों के बीच रहकर ही व्यक्ति आपसी प्रेम के महत्त्व को, अपनी जिम्मेदारी को समझता है और मुसीबत में पड़े दूसरे लोगों की मदद करता है । इसलिए छोटी-छोटी बातों में रिश्तेदारों की अनदेखी करना, उनसे किनारा करना उचित नहीं है ।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) खुशी पाई जा सकती है यदि : [1]

(A) रिश्तों के मामले में पेशेवरों की सलाह मानें
(B) रिश्तों को प्रेमपूर्वक समुचित मान-सम्मान से बनाए रखें
(C) जो रिश्ते बोझ हैं उन्हें भी समझाकर अपने मन के अनुसार ढालें
(D) दोस्तों के साथ अधिक-से-अधिक समय बिताएँ

(ii) संबंधों में परस्पर सहयोग और सम्मान का भाव किस कार्य की पूर्ति करता है ? I. रिश्तों को घनिष्ठ बनाता है II. बेहतरीन सहयोग का तंत्र बनता है III. अड़ोस-पड़ोस भी आपकी मदद करता है IV. ज्यादा लोग आपका ध्यान रखते हैं [1]

(A) I, IV
(B) II, III
(C) III, IV
(D) I, II

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को पढ़कर, सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन : समय-समय पर अपने सगे-संबंधियों से त्योहार, जन्मदिन या अन्य समारोह के बहाने मिलते रहना चाहिए । कारण : ये मिलन मन को संतोष और शांति देते हैं । [1]

(A) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है ।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।
(D) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी ग़लत व्याख्या करता है ।

(iv) जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में संबंधी हमारी सबसे बड़ी ताकत क्यों हैं ? [1]

(A) संकटों में समर्थन और सहयोग के लिए
(B) समाज में अपनी ताकत दिखाने के लिए
(C) अपनी जिम्मेदारियों को आसानी से समझने के लिए
(D) सुख-दुख में सच्चे हृदय से साथ देने के लिए

(v) निम्नलिखित कथनों में गद्यांश के विचारों से कौन-सा/से विचार मेल खाते हैं ? उचित विकल्प का चयन करके लिखिए : I. आत्मीय रिश्तेदार सुख-दुख के सच्चे साथी होते हैं । II. अकेला व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता । III. रिश्तेदारों से त्योहारों के अवसर पर ही मिलना चाहिए । IV. रिश्तेदार सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह करना सिखाते हैं । [1]

(A) केवल I
(B) I और III
(C) II और IV
(D) I और IV

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q1

◆ अपठित गद्यांश (Reading) | Unseen Passage (Gadyansh) – Factual/Discursive | reading-comprehension | अपनापन और सच्चे रिश्तों की अवधारणा

Generated by claude-sonnet-4-6 · 2026-06-15 07:20 · grounding stimulus

Model Answer

(i) (B) रिश्तों को प्रेमपूर्वक समुचित मान-सम्मान से बनाए रखें

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

(ii) (D) I, II

(iii) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv) (A) संकटों में समर्थन और सहयोग के लिए

(v) (D) I और IV

Explanation

- **(i):** गद्यांश स्पष्ट करता है कि जरा-से यत्न और समुचित मान-सम्मान से रिश्ते खुशी का कारण बनते हैं — विकल्प (B) सीधे इसी बात से मेल खाता है।
- **(ii):** गद्यांश में केवल दो बातें कही गई हैं — रिश्ते प्रगाढ़ (घनिष्ठ) होते हैं (I) और सहयोग का तंत्र बनता है (II)। अड़ोस-पड़ोस या अधिक लोगों का उल्लेख नहीं है।
- **(iii):** गद्यांश में त्योहार/जन्मदिन पर मिलने की बात भी है और मन को संतोष-शांति मिलने की बात भी — दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
- **(iv):** गद्यांश कहता है रिश्तेदार परेशानियों में हिम्मत बढ़ाते हैं, मुसीबतों में समर्थन करते हैं — विकल्प (A) सबसे सटीक है। (D) आंशिक सही है पर (A) अधिक व्यापक रूप से गद्यांश से मेल खाता है।
- **(v):** कथन I सीधे गद्यांश से है; कथन IV — रिश्तेदारों के बीच रहकर जिम्मेदारी समझना — भी गद्यांश में है। II और III गद्यांश के विचारों से मेल नहीं खाते।

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories